दयानन्द वैदिक कॉलेज उरई, जालौन

संस्कृत विभाग

नई शिक्षानीति 2020

स्नातक स्तर पाठ्यक्रम

विषय – **संस्कृत**

मुख्य पाठ्यक्रम

Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी ।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगतता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी ।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे ।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि मूल्यवान् व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे ।

Programme Specific Outcomes

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत के मर्मज्ञ बन सकेंगे ।
- संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा ।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्य–नैमित्तिक, कर्मकाण्ड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूलतत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर

Course outcomes : अधिगम उपलब्धि

प्रश्न पत्र कोड– A020101T	प्रश्न पत्र शीर्षक – **संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण**

• विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे ।

• वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्यबोध कर सकेंगे। उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी ।

• पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।

• विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे ।

• संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे ।

• संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा ।

• स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी ।

• स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा ।

बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर

Course outcomes : अधिगम उपलब्धि

प्रश्न पत्र कोड– A020201T	प्रश्न पत्र शीर्षक – **संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग**

• विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे। सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा ।

• राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे ।

• अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी ।

• संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा ।

• विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।

• E&content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे ।

• संस्कृत भाषा और साहित्य के नित्य–नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व–ज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे ।

• संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार–प्रसार एवं आदान–प्रदान करने में कुशल बनेंगे।

• पारम्परिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर	
Course outcomes : अधिगम उपलब्धि	
प्रश्न पत्र कोड– A020301T	प्रश्न पत्र शीर्षक – **संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**
• संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे । • नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे । • नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलंकारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे । • संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे । • नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी । • भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व के बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे । • व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे । • व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।	

बी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर	
Course outcomes : अधिगम उपलब्धि	
प्रश्न पत्र कोड– A020401T	प्रश्न पत्र शीर्षक – **काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल**
• विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्‌भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे । • छन्द भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे । • संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौन्दर्य का बोध कर सकेंगे । • कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा । • शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि होगी । • व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा । • विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा । • संस्कृत पत्रलेखन कौशल में वृद्धि होगी। • अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।	

बी0ए0 पंचम सेमेस्टर	
Course outcomes : अधिगम उपलब्धि	
प्रश्न पत्र कोड– A020501T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**
• वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । • वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा । • वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा ।	

• उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा । औपनिषदिक कर्म, संयम, भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे ।

• वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।

• भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।

• दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थ बोध होगा।

• दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा ।

• दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।

• भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे । गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

बी0ए0 पंचम सेमेस्टर

Course outcomes : अधिगम उपलब्धि–

प्रश्न पत्र कोड– A020502T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र – व्याकरण एवं भाषा विज्ञान**

• भाषा विज्ञान के उद्‌भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।

• संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।

• भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व से सुपरिचित होंगे।

• ध्वनि के प्रारम्भिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।

• पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्दनिर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।

• संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

बी0ए0 छह सेमेस्टर

Course outcomes : अधिगम उपलब्धि–

प्रश्न पत्र कोड– A020601T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **प्रथम प्रश्न पत्र – आधुनिक संस्कृत साहित्य**

• आधुनिक संस्कृत–कवियों से सुपरिचित होंगे।

• नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।

• आधुनिक संस्कृत–साहित्य के बाल–साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत–शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।

• आधुनिक संस्कृत–साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।

• आधुनिक संस्कृत–साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

बी0ए0 छह सेमेस्टर	
Course outcomes : अधिगम उपलब्धि	
प्रश्न पत्र कोड– A020602T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र– क (वैकल्पिक) – योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा**
• भारतीय योगशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे। • योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे। • योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे। • योग के आसनों के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे। • योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।	

बी0ए0 छह सेमेस्टर	
Course outcomes : अधिगम उपलब्धि	
प्रश्न पत्र कोड–A0206003T	प्रश्न पत्र शीर्षक – **द्वितीय प्रश्न पत्र– ख (वैकल्पिक) – आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान**
• भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। • मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों से सुपरिचित होंगे। • वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे। • अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।	

बी0ए0 छह सेमेस्टर	
Course outcomes : अधिगम उपलब्धि	
प्रश्न पत्र कोड–A020604T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र– ग (वैकल्पिक) – भारतीय वास्तुशास्त्र**
• भारतीय वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे। • भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी। • वास्तुशास्त्र के महत्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे। • वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।	

बी0ए0 छह सेमेस्टर	
Course outcomes : अधिगम उपलब्धि	
प्रश्न पत्र कोड–A020605T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र– घ (वैकल्पिक)– ज्योतिष शास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त**
• भारतीय प्राच्य ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी। • भारतीय ज्योतिष शास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। • ज्योतिष के विभिन्न सिद्धान्तों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी। • पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा	
बी0ए0 छह सेमेस्टर	
Course outcomes : अधिगम उपलब्धि	
प्रश्न पत्र कोड–A020606T	प्रश्न पत्र शीर्षक **द्वितीय प्रश्न पत्र– ङः (वैकल्पिक) – नित्य, नैमित्तिक – अनुष्ठान**
• विद्यार्थी भारतीय पारम्परिक कर्मकाण्ड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे । • नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे। • भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यावहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे। • सामान्य अनुष्ठान सम्पन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे । • आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।	